ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

माया-मुक्त ब्राह्मण जीवन के लिए

परमात्म इशारे

यह भय जो दुनिया में फैला हुआ है,
वह बहुत दुःखदाई है ...
क्योंकि सारे दुःखों का कारण ही भय है।
भय की भी परसेन्टेज होती है।
जितना अधिक मोह,
जितनी ज्यादा इच्छा,
उतना अधिक भय होता है।

Peace of Mind
CH. 1221 d2h
CH. 1087 dishtv
CH. 1065 TATA PLAY
CH. 678 airtel digital TV
CH. 496 SUN DIRECT

Take & Give
Keep taking from God and keep giving to the world.

परमपिता परमात्मा शिव

अव्यक्त शिक्षाएँ

वर्तमान संगमयुगी स्वराज्य अधिकारी आत्माओं का आसन कहो वा सिंहासन कहो, वह 'कर्मातीत स्टेज'। कर्मातीत अर्थात कर्म करते भी कर्म के बन्धनों से अतीत। कर्मों के वशीभूत नहीं लेकिन कर्मेन्द्रियों द्वारा हर कर्म करते हुए अधिकारीपन के नशे में रहने वाले कर्मातीत स्टेज का तख्त श्रेष्ठ तख्त है। इसी स्टेज की अधिकारी आत्मायें अर्थात् तख्तनशीन आत्मायें विश्व के आगे ईष्ट देव के रूप में प्रत्यक्ष होंगी। स्वराज्य अधिकारी सभा अर्थात् इष्ट देव सभा। ऐसे परम पवित्र, सर्व प्रति रहमदिल, सर्व प्रति मास्टर वरदाता, सर्व प्रति मास्टर रूहानी स्नेह सागर, सर्व प्रति शुभ भावनाओं के सागर, ऐसे पूज्य इष्ट देव आत्मा हो। सभी ब्राह्मण आत्माओं में नम्बरवार यह सब संस्कार समाये हुए हैं। लेकिन इमर्ज रूप में अभी तक कम हैं। अभी इस इष्ट देवात्मा के संस्कार इमर्ज करो। वर्णन करने के साथ 'स्मृति स्वरूप' सो समर्थ स्वरूप बन, स्टेज पर आओ।

अ.बापदादा-10.01.82

"अलौकिक और अविनाशी झूला है - अतीन्द्रिय सुख"

सभी सदा संगमयुग की श्रेष्ठ प्राप्ति अतीन्द्रिय सुख में झूलते रहते हो? यह सुख ही सबसे बड़ा अलौकिक अविनाशी झूला है, जैसे जो लाडले बच्चे होते हैं उनको झूले में झुलाते हैं, जैसे कृष्ण को लाडला होने के कारण झूले में झुलाते हैं ना। संगमयुगी ब्राह्मणें का झूला अतीन्द्रिय सुख का झूला है। तो इसी झूले में सदा झूलते रहते हो! कभी भी देह अभिमान में आना अर्थात् झूले से निकल धरनी पर पांव रखना। धरनी पर पाँव रखते तो मैले हो जाते हैं। तो ऊंचे ते ऊंचे बाप के बच्चे सदा स्वच्छ होते - मैले नहीं। तो सदा इसी अतीन्दिय सुख में झूलते रहो।

Avyakt Murli - 23-01-79

अमृतवेले 4 बजे बापदादा सभी बच्चों को सहज ही वरदान देते हैं। वरदान दाता का पार्ट अमृतवेले होता है विशेष। जो भी वरदान चाहिए वह बापदादा दे देते हैं। ट्रायल करके देखना। लेकिन आप सभी भी वरदान लेने के लिए अलर्ट रहना।

Avyakt Murli - 2-2-2011

BRAHMA KUMARIS
Education Wing, Mount Abu

/AvyaktMurliEssence

मन में एक दृढ़ संकल्प
कर लो, उसके ही बारे में सोचो,
उसके ही स्वप्न देखो, उसको
पाने के लिए पूरा जोर लगा दो...
तो आपका उमंग उत्साह
आसमान छूता रहेगा...

Beginning of a New Day -
With Meditation, Prayers & Yoga,
Feeling Divine & Powerful
To unfold a Perfect Day.

Beginning of a NEW YEAR -
Satvik Food, Satvik Mind,
Plan a High Energy SATVIK
NEW YEAR CELEBRATION.

Pure & Powerful Vibrations
Unfold a High Frequency 2023.

BKShivani

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org